नहीं रहा विराट का अजीज डॉग, क्रिकेटर ने बयां किया दर्द

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कप्तान विराट कोहली को बुधवार को बड़ा झटका लगा। उनका साथी डॉगी ब्रूना उन्हें छोड़कर इस दुनिया से चला गया। मौजूदा दौर के रन मशीन विराट ने अपने कुत्ते के निधन पर शोक जताते हुए सोशल मीडिया पर न केवल उसकी तस्वीर शेयर की, बल्कि एक इमोशनल मेसेज भी लिखा। उनकी बॉलिवुड ऐक्ट्रेस वाइफ अनुष्का शर्मा ने भी डॉगी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। जो लोग नहीं जानते हैं उनको बता दिया जाए कि भारतीय कप्तान और ब्रूना का साथ 11 वर्ष पुराना था। यानी वह तब से उनके पास था, जब उन्होंने टेस्ट और टी–20 इंटरनैशनल क्रिकेट में डेब्यू भी नहीं किया था। कोहली ने 9 वर्ष पहले जून, 2011 को वेस्टइंडीज के खिलाफ किंगस्टन में टेस्ट डेब्यू किया था, जबकि पहला टी–20 इंटरनैशनल 2010 में जिम्बाब्वे के खिलाफ जून 2010 को खेला था। कैप्टन विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर ब्रूना की तस्वीर शेयर करते इमोशनल मेसेज लिखा है। उन्होंने लिखा– रेस्ट इन पीस ब्रूनो। हमारे साथ तुम 11 साल रहे, लेकिन तुम्हारे साथ हमारा जिंदगीभर का रिश्ता है। आज तुम एक बेहतर जगह पर चले गए। भगवान तुम्हारी आत्मा को शांति दे।

लोग श्रद्धांजलि देने लगे

कोहली ने जैसे सोशल मीडियो पर अपने चहेते डॉगी के गुजरने की खबर दी, लोग उसे श्रद्धांजलि देने लगे। कुछ ही देर में आरआईपी ब्रूनो, ट्विटर पर भी ट्रेंडिंग में आ गया। फैन्स कोहली की ब्रूना के साथ पुरानी तस्वीरें शेयर करने लगे, जिन्हें देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ब्रूनो, कोहली के कितने करीब था।

खेल के नियमों में ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं

क्रिकेट

महामारी खत्म होते ही खेल सामान्य परिस्थिति में लौट आएगाः चेतन शर्मा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चेन्नै। कोरोना वायरस के इस दौर में खेल गतिविधियां बिलकुल थमी हुई हैं लेकिन महामारी खत्म होने के बाद खेल कैसे पटरी पर आएगा इस पर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इनमें से ज्यादातर चर्चाएं गेंद के इर्द–गिर्द हैं। जब से आईसीसी की मेडिकल कमिटी ने सुझाव दिया है कि मौजूदा परिस्थितियों में गेंद को चमकाने के लिए स्लाइवा या पसीने का इस्तेमाल करना खतरनाक हो सकता है– उसके बाद गेंद क्रिकेट जगत में चर्चा का केंद्र है।

एक साइड भारी गेंद बनाने के पक्ष में वॉर्नः ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर शेन वॉर्न ने भी गेंद को लेकर चल रही इस बहस में अपनी राय रखी। हमेशा से अलग सोच रखने वाले इस दिग्गज लेग स्पिनर हमेशा से हटकर सोचने और बोलने के लिए जाने जाते है। उन्होंने सलाह दी भारी गेंद इस्तेमाल करने की। यह एक टेप लगी टेनिस गेंद

की तरह हो जहां गेंद का एक हिस्सा दूसरे से भारी हो। वॉर्न का कहना है कि इससे गेंद चमकाए बिना भी स्विंग होगी।

सपाट पिचों पर मिलेगी गेंदबाजों को मददः उनका मानना है कि तेज गेंदबाजों को सपाट विकेट पर भी इस तरह की गेंद से मदद मिलेगी और साथ ही बॉल टैंपरिंग की समस्या भी खत्म हो सकती है। इससे पहले सिर्फ कृत्रिम तरह से गेंद को चमकाने के विचार दिए जाते थे, इसके लिए भी आईसीसी को बॉल टैंपरिंग के अपने मौजूदा नियमों में बदलाव करने की जरूरत है।

काफी सोचना पड़ेगाः उन्होंने आगे कहा था, गेंद को स्विंग कराने के लिए उसे एक ओर से भारी क्यों नहीं बनाया जा सकता? इससे वह हमेशा स्विंग होती रहेगी।श वॉर्न ने कहा कि इससे बॉल टैंपरिंग की समस्या भी हमेशा के लिए दूर हो जाएगी और बैट और गेंद के बीच एक अच्छी प्रतियोगिता भी पैदा होगी। हालांकि यह वॉर्न का आइडिया हो सकता है, लेकिन इसे कोई अमली जामा पहनाने से पहले तमाम तरह से विचार करना जरूरी होगा।

शर्मा को नहीं भाया आइडियाः भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा की नजर में वॉर्न का यह आइडिया कारगर नहीं होगा. 54 वर्षीय शर्मा का मानना है कि खेल से ज्यादा छेड़छाड़ करने की जरूरत नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह दौर जिसमें सभी खेल गतिविधियां रुकी हुई हैं, असल में गुजर जाएगा।

क्रिकेट को सर्कस न बनाएंः भारत ने 23 टेट और 65 वनडे इंटरनैशनल खेलने वाले शर्मा ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, श्मुझे लगता है कि हम मामले को ज्यादा पेचीदा बना रहे हैं। क्रिकेट को जैसा है वैसा ही रहने दें। इसे सर्कस न बनाएं। मेरे विचार से जब यह महामारी खत्म होगी क्रिकेट फिर वहीं से शुरू होगा। अगर किसी मैच में खेल रहे सभी क्रिकेटर नेगेटिव मिलते हैं तो फिर क्या समस्या है? यही एक तरीका है। खेल में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं है।

टॉम मूडी ने कहा, अगले पांच–10 साल में चोटी के बल्लेबाजों में शामिल होगा बाबर आजम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी को लगता है कि पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम एक स्पेशल टैलंट हैं और उन्हें बल्लेबाजी करते देखना एक सुखद अनुभव है। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप और क्रिकेट विशेषज्ञ फ्रैडी वाइल्ड के साथ पॉडकास्ट पर बात करते हुए मूडी ने कहा कि अगले दशक में बाबर टेस्ट क्रिकेट के चोटी के पांच बल्लेबाजों में शामिल होंगे।

मूडी ने कहा, बाबर पिछले एक साल में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। हम बात करते रहते हैं कि विराट कोहली को खेलते देखना कितना

> कई क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि बाबर कोहली से आगे निकल सकता है

सुखद अनुभव है। अगर आपको लगता है कि विराट कोहली को देखना अच्छा है, तो एक बार बाबर आजम को बल्लेबाजी करते देखें। माइ गोश, वह कुछ खास हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के कोच ने कहा, मुझे लगता है कि अगले पांच से दस साल में वह बेशक दशक के चोटी के पांच बल्लेबाजों में शामिल होगा। इस पर कोई संदेह ही नहीं है।

मूडी ने हालांकि यह माना कि इस पाकिस्तानी बल्लेबाज के मौजूदा आंकड़े फिलहाल उन्हें चोटी के बल्लेबाजों में जगह नहीं दिलाते। उन्होंने कहा, श्अगले पांच–10 साल में वह चोटी के बल्लेबाजों में होगा। हालांकि उसने 26 मैच खेले हैं लेकिन इसमें से करीब आधे मैच ऐसे हैं जिनमें वह पहले टीम का हिस्सा नहीं था और अंतिम समय में उसे निचले क्रम के लिए शामिल किया गया।

मूडी ने कहा, फिलहाल मुझे लगता है कि इस समय उन्हें चोटी के बल्लेबाजों में शामिल करना मुश्किल है। विदेशी धरती पर उसका बल्लेबाजी औसत सिर्फ 37 का है और घरेलू मैदान पर 67 का। पर यह भी देखना होगा कि उन्होंने विदेशी धरती पर बहुत कम मुकाबले खेले हैं। और यह उनके करियर की शुरुआत है। आजम फिलहाल आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर हैं। स्टीव स्मिथ, कोहली, मार्नस लाबुशाने और केन विलियमसन उनसे ऊपर हैं।

रीड के मार्गदर्शन में हम अधिक आक्रामक खेल रहे हैंः गुरिंदर सिंह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। डिफेंडर गुरिंदर सिंह का मानना है कि भारतीय टीम मुख्य कोच ग्राहम रीड के मार्गदर्शन में आक्रामक हॉकी खेल रही है और इससे गोल करने के अधिक मौके बन रहे हैं। गुरिंदर ने कहा, 'मुख्य कोच रीड को हमसे जुड़े एक साल से अधिक हो गया। उनके आने से जो फर्क पड़ा, वह देख सकते हैं। हम अब आक्रामक हॉकी खेल रहे हैं और गोल करने के अधिक मौके बना रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि रीड हर खिलाड़ी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और टीम रणनीति पर पूरा फोकस है। उन्होंने कहा, 'हर खिलाड़ी के व्यक्तिगत खेल में सुधार के साथ वह टीम रणनीति पर पूरा फोकस कर रहे हैं। ओलिंपिक क्वॉलिफायर के बाद अगले टूर्नमेंट में काफी समय है लिहाजा उन्होंने सभी खिलाड़ियों को पूरा समय देकर उनके खेल में निखार लाने की पूरी कोशिश की है।' टीम से भीतर बाहर होते रहे गुरिंदर ने कहा कि उनका लक्ष्य ओलिंपिक टीम में जगह बनाना है। उन्होंने कहा, 'मैं ओलिंपिक टीम में जगह पाने के लिए काफी मेहनत कर रहा हूं। खुद को फिट रखना इस लॉकडाउन में मेरी प्राथमिकता रही है। मेरा बचपन से सपना भारत के लिए ओलिंपिक खेलने का रहा है।'

न्यूज डायरी

लॉकडाउन के बाद बल्लेबाजों को लय पकड़ने में लगेगा समयः रोहित शर्मा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में लॉकडाउन 3.0 शुरू हो गया है। इसका अर्थ है कि खिलाड़ियों को मैदान पर उतरने के लिए अभी और लंबा इंतजार करना होगा। इतना ही नहीं वे प्रैक्टिस के लिए भी नहीं उतर पाएंगे। पहलवान और बॉक्सर्स अपने हिस्से का फिजिकल वर्कआउट कर रहे हैं लेकिन क्रिकेटर्स के लिए चुनौती थोड़ी परेशान करने वाली है। खेल के लिए खुद को मांझने और तैयार रखने के लिए शारीरिक पहलु से आगे जाती है। भारतीय क्रिकेटर्स भी अपने घरों में ही हैं। खिलाड़ी काफी समय से घर से बाहर नहीं निकले और अब वे किसी तरह बस ट्रेनिंग करना चाहते हैं। बल्लेबाज हों या गेंदबाज वे मैच के लिए तैयार होने के लिए अपने हुनर को एक बार फिर धार देना चाहते हैं।

विराट विपक्षी टीम को कर देते हैं कमजोरः डेविड वॉर्नर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर मानते हैं कि विराट कोहली और स्टीव स्मिथ समान रूप से अपनी टीमों का मनोबल बढ़ाते हैं, लेकिन दोनों का बल्लेबाजी का जज्बा और जुनून एक दूसरे से अलग है। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारतीय कप्तान कोहली और शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्मिथ मौजूदा युग के दो शीर्ष क्रिकेटर हैं। ये दोनों लगातार नई उपलब्धियां हासिल करते रहे हैं जिससे इन दोनों में से बेहतर कौन पर बहस शुरू होती है। वॉर्नर ने हर्षा भोगले से 'क्रिकबज इन कनवरसेशन' में बात करते हुए कहा, 'विराट का रन जुटाने का जुनून और जज्बा स्टीव की तुलना में अलग है।' उन्होंने कहा कि कोहली विपक्षी टीम को कमजोर करने के लिए रन जुटाते हैं, जबकि स्मिथ अपनी बल्लेबाजी का लुत्फ उठाते हैं। उन्होंने कहा, 'स्टीव क्रीज पर गेंद को हिट करने के लिए जाते हैं, वह ऐसे ही चीजों को देखते हैं। वह क्रीज पर जमकर गेंदों को हिट करना चाहते हैं, वह आउट नहीं होना चाहते। वह इनका आनंद लेते हैं।'

'द हंड्रेड' में निवेश करना चाहते हैं शाहरुख खान ऐंड कंपनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक (शाहरुख खान व अन्य) इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नए टूर्नामेंट 'द हंड्रेड' में निवेश करना चाहते हैं। द टेलीग्राफ अखबार ने बताया कि शाहरुख खान के स्वामित्व वाली केकेआर 100 गेंद वाली प्रतियोगिता में निवेश करने के लिए तैयार है। इस प्रतियोगिता को इस साल जुलाई में शुरू होना था लेकिन कोविड–19 महामारी के कारण इसे अगले साल के लिए स्थगित कर दिया गया है। केकेआर मालिकों की हिस्सेदारी वेस्टइंडीज में होने वाली 'कैरेबियन प्रीमियर लीग' में भी है। केकेआर ने 2015 में त्रिनिदाद फ्रेंचाइजी को खरीदा था। पिछले हफ्ते ईसीबी ने द हंड्रेड के पहले एडिशन को अगले साल के लिए टाल दिया था। इसका पहला सीजन इस साल जुलाई में शुरू होना था। इंग्लैंड में क्रिकेट सीजन 2 अप्रैल से शुरू होना था लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह जुलाई से पहले नहीं हो पाएगा।

पूर्व हॉकी खिलाड़ी अशोक दीवान की तबीयत बेहतर, अमेरिका से लौटेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विश्व कप विजेता पूर्व हॉकी गोलकीपर अशोक दीवान ने आईओए को बताया है कि अब उनकी स्थिति बेहतर है और वह जल्दी ही अमेरिका से स्वदेश लौटेंगे। पिछले महीने दीवान ने अमेरिका से वापसी के लिए मदद मांगी थी। वह कोरोना वायरस महामारी के बाद जारी लॉकडाउन के कारण वहां फंस गए थे। उन्होंने आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा से संपर्क करके उनकी बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का अनुरोध किया था। खेल मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय को इसकी जानकारी दी थी। दीवान ने बुधवार को बत्रा को भेजे संदेश में कहा, 'आपके और ईश्वर के आशीर्वाद से मेरी सेहत अब बेहतर है। मैंने स्वदेश लौटने के लिए भारतीय दूतावास में रजिस्ट्रेशन करा लिया है। अब उनकी ओर से सकारात्मक खबर का इंतजार है।' विश्व कप 1975 के विजेता पूर्व खिलाड़ी ने खेल मंत्री किरेन रिजिजू और अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू को भी धन्यवाद दिया।